युगों युगों तक होगा आपका जिकर

युगों युगों तक होगा आपका जिकर

मां सविंदर एक रोशन सफर (धु)

बिना कहे आपने हमे गुरुमत के उपदेश दिये

आपके जीवन ने सिखलाया हम सब जियें तो कैसे जियें

आपसे जो कुछ पाया करे हम कदर (१)

अंधकार हमे छु नही पाया आपका नुर जो साथ रहा

हम कमजोर ना हो पाये आपका सरपे हाथ रहा

आपके ही कारण हम गये ना बिखर (२)

शहंशाहजी का युग फिरसे आपने है साकार किया

सतगुरु मां सुदिक्षाजी के रुप मे है अवतार दिया

करते नमन हैं राजू गोपी दिलवर (३)